

## वैश्विक पोषण लक्ष्य

### प्रलिस के लयः

[कुपोषण](#), [एनीमया](#), [वैश्वकऱ पोषण लक्ष्य](#), [मोटापा](#), [मधयाहन भोजन योजना](#), [उच्च रक्तचाप](#), [मशऱन पोषण 2.0](#), [एकीकृत बाल वकऱस सेवा \(ICDS\) योजना](#)

### मेन्स के लयः

वैश्वकऱ पोषण लक्ष्य और भारत कऱ प्रगतऱ, कुपोषण का दोहरा बोझ, भारत में पोषण के लयऱ नीतगतऱ हस्तक्षेप ।

[स्रोतः द हदऱ](#)

## चरुा में क्यऱँ?

वरुष 2012 से वरुष 2021 तक [वैश्वकऱ पोषण लक्ष्यऱँ \(GNT\)](#) पर वैश्वकऱ प्रगतऱ कऱ मूल्यांकन करने वाले [\[?\] \[?\] \[?\] \[?\] \[?\]](#) के एक हालयऱ अध्ययन में मातृ एवं [शशऱ कुपोषण](#), अल्पपोषण और [मोटापे](#) से नपऱटने में धीमी प्रगतऱ देखऱ गई है ।

- इन नषऱकरुषऱँ से नीतऱ नऱरऱमाण और इन सतत मुददऱँ के समाधान के लयऱ नवीन रणनीतयऱँ कऱ आवशुयकता के बारे में चतऱएँ उत्पन्न होती हैं ।

## वैश्वकऱ पोषण लक्ष्य (GNT) क्यऱ हैं?

- **वशऱव सवास्थुय सभा संकल्प, 2012:** मातृ, शशऱ और छोटे बचुुँ के पोषण पर एक वुयापक कारुयानवयन योजना का समरुथन कयऱ गया, जसऱमें वरुष 2025 के लयऱ छह वैश्वकऱ पोषण लक्ष्य नऱरऱरतऱ कयऱ गए ।
- **वैश्वकऱ पोषण लक्ष्यः**
  - पाँच वरुष से कम आयु के अवकऱसतऱ बचुुँ कऱ संखुया में 40% कऱ कमी लाना ।
  - प्रजनन आयु कऱ महलऱाओं में [एनीमया](#) में 50% कऱ कमी लाना ।
  - कम वजन वाले शशऱओं के जन्म में 30% कऱ कमी लाना ।
  - यह सुनशुचऱतऱ करना कऱ बचुुँ के वजन में कोई वृदुधऱन हो ।
  - पहले 6 महीनऱँ में केवल सुतनपान कऱ दर को बढ़ाकर कम से कम 50% करना ।
  - बचपन में [कुपोषण](#) को 5% से कम पर बनाए रखना ।

## महतत्वपूरण बढऱ

- **कुपोषण:** यह शरीर के लयऱ आवशुयक पोषक ततुतुवऱँ और उसे प्राप्त होने वाले पोषक ततुतुवऱँ के बीच असंतुलन है ।
- इसमें कुपोषण (जसऱमें सुरुुटगऱ (आयु के अनुपात में कम ऊँचाई), दुर्बलता (ऊँचाई के अनुपात में कम वजन) और अल्पवजन (आयु के अनुपात में कम वजन) शामिल हैं) और अतपोषण (अधकऱ वजन और [मोटापा](#)) दोनों शामिल हैं, जसऱसे सारुवजनकऱ सवास्थुय पर दोहरा बोझ पडुता है ।
- **एनीमया:** एनीमया लाल रक्त कोशकऱाओं या [हीमोग्लोबऱन](#) के कम होने कऱ स्थतऱतऱ है, जसऱसे रुतकऱँ को ऑकऱसीजन कऱ आपूरुतऱ कम हो जातऱ है, जो मुखुय रूप से महलऱाओं और बचुुँ को प्रभावतऱ करतऱ है ।

## अध्ययन के मुखुय नषऱकरुष क्यऱ हैं?

- धीमी और अपरुयाप्त प्रगतऱ: 204 देशऱँ में वरुष 2012 से वरुष 2021 तक GNT लक्ष्यऱँ को पूरा करने में धीमी और अपरुयाप्त प्रगतऱ हुई है, तथऱ

- वर्ष 2050 तक के अनुमान सीमिति सफलता दर्शाते हैं।
- उम्मीद है कि बहुत कम देश 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में **स्टंटिंग** के लक्ष्य को प्राप्त कर पाएँगे।
  - वर्ष 2030 तक किसी भी देश द्वारा **जन्म के समय कम वजन, एनीमिया और बचपन में अधिक वजन** के लक्ष्य को पूरा करने का अनुमान नहीं है।
- **एनीमिया और भारत:** भारत में एनीमिया की समस्या **दो दशकों से स्थिर** बनी हुई है।
    - ऐसा माना जाता है कि **आयरन की कमी** इसका कारण है, लेकिन **एनीमिया के केवल एक तर्हई मामले ही इसके कारण होते हैं**, जबकि अन्य एक तर्हई मामले अज्ञात कारणों से होते हैं।
    - **कोविड-19 लॉकडाउन** के दौरान एनीमिया का प्रसार बढ़ गया जब स्कूली भोजन (**मध्याह्न भोजन योजना**) बंद हो गया, जिससे व्यापक पोषण दृष्टिकोण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।
    - अध्ययन में **एनीमिया माप में वसिंगतियाँ** पाई गईं, भारत में **शरिपरक रक्त-आधारित** (रक्त नस से लिया जाता है) **एनीमिया की व्यापकता** (जैसा कि **वशिव स्वास्थय संगठन** द्वारा अनुशंसित है) राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में **केशिका रक्त-आधारित** (रक्त उंगली से लिया जाता है) एनीमिया की व्यापकता की तुलना में आधी थी।
  - **स्टंटिंग:** स्टंटिंग प्रायः **जीवन के पहले दो वर्षों में** विकसित होता है, जो भारत में जन्म के समय 7-8% से बढ़कर दो वर्ष की आयु तक 40% हो जाता है।
    - दो वर्ष की आयु के बाद बच्चों को अधिक भोजन देने से उनका **स्टंटिंग में सुधार होने के बजाय उनका वजन बढ़ सकता है**।
    - भारत में गरीब बच्चों **प्रतदिनि केवल 7 ग्राम वसा का उपभोग** करते हैं, जबकि आवश्यक 30-40 ग्राम है।
  - **बचपन में अधिक वजन:** भारत सहित वशिव भर में बच्चों में अधिक वजन बढ़ रहा है, जिससे **"चयापचय संबंधी अतपोषण"** को बढ़ावा मलि रहा है, जिससे गैर-संचारी रोगों जैसी **दीर्घकालिक स्वास्थय समस्याएँ** उत्पन्न हो सकती हैं।
    - **भारतीय बच्चों** का एक महत्त्वपूर्ण हसिसा (50%) **चयापचय संबंधी अतपोषण** का सामना करता है, जो गैर-संचारी रोगों में योगदान देता है।
  - **अनुशंसाएँ:** एनीमिया से नपिटने के लयि आहार में **वविधिता लाना**, क्योंकि यह केवल आयरन की कमी के कारण नहीं होता है।
    - **जीवन के प्रथम दो वर्षों में बौनेपन की रोकथाम** पर ध्यान केंद्रित करना।
    - **3 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लयि ऊर्जा सेवन, वशिशकर वसा सेवन में सुधार करें**।
  - एनीमिया और स्टंटिंग को मापने के लयि अधिक सटीक और संदर्भ-वशिशिट तरीकों को अपनाना।

- **गैर-संचारी रोगों** की रोकथाम के लयि नीति में **कुपोषण और अतपोषण** दोनों को संबोधित करना।

## GNT प्राप्त करने से संबंधित क्या चुनौतियाँ हैं?

- **वैश्विक:**
  - **एनीमिया:** प्रजनन आयु वाली महिलाओं में एनीमिया का वैश्विक प्रसार **काफी हद तक अपरविरतित** रहा है।
    - **अपर्याप्त जागरूकता एवं लक्षित नीतियों** के कारण एनीमिया कम आयु वाले देशों (वशिशकर ग्रामीण, गरीब और अशिक्षित लोगों) पर बोझ है।
  - **स्टंटिंग की दशिया में धीमी प्रगत:** वभिनिन प्रयासों के बावजूद अनुमान है कि **वर्ष 2025 तक** इससे प्रभावित बच्चों की संख्या 127 मिलियन तक पहुँच जाएगी (जो 100 मिलियन तक के लक्ष्य के अनुरूप नहीं है) क्योंकि **बच्चों के जीवन के प्रारंभिक दिनों को लक्षित करने वाली प्रारंभिक नीतियों का अभाव** है।
  - **अधिक वजन एवं मोटापे में वृद्धि:** अधिक वजन तथा मोटापे का बढ़ता प्रचलन (जसिसे **वर्ष 2022 के अनुसार 5 वर्ष से कम आयु के 37 मिलियन बच्चों तथा 5-19 वर्ष की आयु के 390 मिलियन से अधिक बच्चों और कशिशर प्रभावित हैं**) शहरीकरण, बदलते आहार पैटर्न और कम शारीरिक गतिविधियों जैसे कारकों से प्रेरित है।
  - **बचपन में वेस्टिंग:** इससे वशिव भर में 5 वर्ष से कम आयु के लगभग 45 मिलियन बच्चों प्रभावित हैं।
    - बाल कुपोषण की रोकथाम की दशिया में (वशिश रूप से दक्षिण एशिया में) **खाद्य असुरक्षा, सीमिति स्वास्थय देखभाल और नमिन सतरीय स्वच्छता जैसी चुनौतियाँ** बनी हुई हैं।
- **भारत:**
  - **सीमिति आहार वविधिता:** भारत के आहार में अक्सर **चावल, गेहूँ और अनाज** का प्रभुत्व है तथा **फलों, सबजियों, डेयरी उत्पाद और प्रोटीन** का सेवन अपर्याप्त बने रहने से पोषण का स्तर नमिन बना हुआ है।
    - आहार वविधिता में अभाव (वशिश रूप से **नमिन आयु वाले परिवारों में**) से आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों तक पहुँच सीमिति बनी हुई है।
    - **राष्ट्रीय परिवार स्वास्थय सर्वेक्षण (NFHS)-5** के अनुसार **6 महीने से 2 वर्ष की आयु के केवल 11.3% बच्चों को ही** वशिव स्वास्थय संगठन के मानकों के अनुसार 'न्यूनतम स्वीकार्य आहार' मलि पाता है जसिसे भोजन की गुणवत्ता में प्रमुख अंतराल बना हुआ है।
- **आर्थिक बाधाएँ:** कम आयु के साथ उच्च खाद्य कीमतों के कारण जनसंख्या का एक बड़ा भाग **पौष्टिक आहार का खर्च उठाने** के लयि संघर्षरत है जसिसे **कुपोषण** को बढ़ावा मलिता है।
  - **अपर्याप्त डेटा:** आहार वविधिता से संबंधित व्यापक राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के अभाव से लक्षित पोषण हस्तक्षेपों में बाधा आती है।
    - हालांकि **NFHS** से इस संदर्भ में कुछ जानकारी मलित है लेकिन इसमें उपभोग कयि गए भोजन की मात्रा के बारे में वसितृत आँकड़ों का अभाव रहने से पोषण संबंधी अंतराल को दूर करने के क्रम में इसकी उपयोगिता सीमिति हो जाती है।
- **गैर-संचारी रोग (NCD):** मोटापा, **मधुमेह और उच्च रक्तचाप** जैसे आहार-संबंधी NCD की बढ़ती संख्या से लोक स्वास्थय प्रणालियों पर बोझ में वृद्धि हो रही है, जसिके कारण **अल्प-पोषण एवं अतपोषण** दोनों पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

- खाद्य प्रणालियों की बाधाएँ: जलवायु परिवर्तन एवं चरम मौसमी घटनाओं से खाद्य सुरक्षा के समक्ष और भी खतरा उत्पन्न हो रहा है जिससे फसल की पैदावार के साथ विविध खाद्य पदार्थों की उपलब्धता प्रभावित होती है।

## पोषण से संबंधित भारत की पहल

- [मशिन पोषण 2.0](#)
- [एकीकृत बाल विकास सेवा \(ICDS\) योजना](#)
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY)
- [मध्याह्न भोजन योजना](#)
- [कशोरियों के लिये योजना \(SAG\)](#)
- [माताओं का पूरण स्नेह \(MAA\)](#)
- [पोषण वाटिकाएँ](#)

## आगे की राह

- नीति पुनर्संरक्षण: [पोषण अभियान](#) जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों में अनुकूल तथा क्षेत्र-वशिष्ट आहार समाधानों को शामिल करने के साथ [राष्ट्रीय कदन्न मशिन \(NMM\)](#) जैसी पहलों को बढ़ावा देना चाहिये।
  - [सार्वजनिक वितरण प्रणाली \(PDS\)](#) के तहत पोषण-सघन खाद्य पदार्थों को शामिल करने के लिये प्रणालीगत अंतराल को दूर करना चाहिये।
- [राष्ट्रीय स्तर पर लक्ष्य निर्धारित करना](#): देश के लिये वशिष्ट आधार रेखाएँ एवं वार्षिक लक्ष्य निर्धारित करने चाहिये।
- [संसाधन आवंटन को मज़बूत करना](#): पोषण-वशिष्ट तथा पोषण-संवेदनशील कार्यक्रमों को लागू करने के लिये वित्तीय तथा मानव संसाधन जुटाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिये।
- [वभिन्न क्षेत्रों में पोषण को एकीकृत करना](#): पोषण परणामों को स्वास्थ्य, खाद्य प्रणालियों तथा [जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य \(WASH\)](#) नीतियों में शामिल करना चाहिये।
  - [प्रभावी मातृ एवं बाल पोषण](#) सेवाओं के लिये प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा को मज़बूत करना चाहिये।
- [नगिरानी तंत्र विकसित करना](#): चयनित पोषण संकेतकों से संबंधित प्रगतिको ट्रैक करने के लिये नगिरानी प्रणालियों को उन्नत बनाना चाहिये।

?????? ???? ????:

**प्रश्न:** विश्व स्वास्थ्य सभा द्वारा अनुमोदित वैश्विक पोषण लक्ष्यों को बताते हुए उन्हें प्राप्त करने में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा कीजिये।

### UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

???????

**प्रश्न.** ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट की गणना के लिये IFPRI द्वारा उपयोग किये जाने वाले संकेतक/संकेतक नमिनलखिति में से कौन-सा है/हैं? (2016)

1. आधे पेट खाना
2. बाल स्टंटगि
3. बाल मृत्यु दर

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2 और 3
- (C) 1, 2 और 3
- (D) केवल 1 और 3

उत्तर: (C)

**प्रश्न.** ज़िला ग्रामीण विकास अभिकरण (DRDA) भारत में ग्रामीण नरिधनता को कम करने में कैसे मदद करते हैं? (2012)

1. DRDA देश के कुछ वनिरिदषित पछिड़े क्षेत्रों में पंचायती राज संस्थाओं के रूप में कार्य करते हैं।
2. DRDA वनिरिदषित क्षेत्रों में नरिधनता और कुपोषण के कारणों का वैज्ञानिक अध्ययन करते हैं तथा उनके समाधान के वसितृत उपाय तैयार करते

हैं।

3. DRDA नरिधनता-रोधी कार्‍यक्रमों के प्रभावी कार्‍यान्वयन हेतु अंतर-क्षेत्रीय (इंटर-सेक्टरल) तथा अंतर-वर्भागीय समन्वयन और सहयोग सुरक्षति करते हैं।
4. DRDA नरिधनता-रोधी कार्‍यक्रमों के लयि मलि कोष पर नगरिानी रखते हैं और यह सुनश्चिति करते हैं कउनका प्रभावी उपयोग हो।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/ हैं?

- (a) केवल 1, 2 और 3
- (b) केवल 3. और 4
- (c) केवल 4
- (d) 1, 2, 3. और 4

उत्तर: (b)

**??????:**

1. क्या लैंगकि असमानता, गरीबी और कृपोषण के दुश्चक्र को महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को सूक्ष्म वतित (माइक्रोफाइनेंस) प्रदान करके तोड़ा जा सकता है? सोदाहरण स्पष्ट कीजयि। (2021)
2. लगातार उच्च वकिस के बावजूद मानव वकिस सूचकांक में भारत अभी भी सबसे कम अंकों के साथ है। उन मुद्दों की पहचान करें जो संतुलति और समावेशी वकिस को सुनश्चिति करते हैं। (2019)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/global-nutrition-targets>

